भाग—IV

भाषा—I

हिन्दी

महत्त्वपूर्ण : परीक्षार्थी **भाग—IV (प्र० सं० 91-120)** के प्रश्नों के उत्तर केवल तभी दें यदि उन्होंने **भाषा—I** का विकल्प **हिन्दी** चुना हो।

निर्देश : नीचे दिए गए प्रश्नों (प्रश्न सं० **91-105**) के **सही/सबसे उपयुक्त** उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।

91. भाषा नियमों द्वारा नियंत्रित _____ का माध्यम भर नहीं है, बल्कि वह हमारी सोच को भी निर्मित करती है।

(1) कला

(2) संप्रेषण

(3) सौंदर्यबोध

(4) संस्कृति

92. पूनम अपने विद्यार्थियों को पढ़ाते समय दृश्य-श्रव्य सामग्री का प्रयोग करती है। इसका प्रमुख कारण है कि वह कक्षा के

(1) सभी बच्चों का मनोरंजन करती है

(2) सभी बच्चों की रुचि का ध्यान रखती है

(3) सभी बच्चों की आवश्यकताओं को संबोधित करती है

(4) सभी बच्चों को नियंत्रण में रखती है

93. कक्षा आठ के बच्चों का सतत आकलन करने में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) व्याकरण की जानकारी

(2) मौखिक परीक्षा

(3) लिखित परीक्षा

(4) भाषा-प्रयोग की क्षमता

94. "बच्चे की भाषा समाज के साथ संपर्क का ही परिणाम है।" यह विचार किसका है?

(1) वाइगोत्स्की

(2) स्किनर

(3) पियाजे

(4) चॉम्स्की

95. भाषा अर्जित करने की स्थिति में बच्चे

(1) भाषिक नियमों को स्वाभाविक रूप से ग्रहण करते हैं

(2) अधिकतर त्रुटियाँ ही करते हैं

(3) भाषिक नियमों को स्वाभाविक रूप से रटते हैं

(4) कभी कोई त्रुटि नहीं करते

96. रमेश सातवीं कक्षा में पढ़ता है। वह सामान्य बातचीत में ठीक है, लेकिन पढ़ते समय वह बार-बार अटकता है। वह संभवतः _____ से ग्रस्त है।

(1) डिस्फेजिया

(2) डिस्लेक्सिया

(3) डिस्कैल्कुलिया

(4) डिस्ग्राफिया

97. बच्चे के स्कूल की भाषा और घर एवं पड़ोस की भाषा में _____ होना/होनी चाहिए।

(1) अलगाव

(2) समरसता

(3) जुड़ाव

(4) समरूपता

98. भाषा की पाठ्य-पुस्तक में एक पाठ एकांकी के रूप में है, आप

(1) हाव-भाव के साथ एकांकी पढ़कर सुनाएँगी

(2) एकांकी के मुख्य संवाद लिखवाएँगी

(3) एकांकी में आए पात्रों के संवाद याद करवाएँगी

(4) शिक्षार्थियों से एकांकी पढ़वाने के बाद उसका मंचन करवाएँगी

99. लिखना एवं पढ़ना सीखने के संदर्भ में कौन-सा कथन सबसे उपयुक्त है?

(1) लिखना और पढ़ना सीखना समान रूप से अंतःसंबंधित हैं।

(2) दोनों कौशल एक-एक करके सीखे जाते हैं।

(3) पढ़ना सीखने की तुलना में लिखना सीखना जटिल है।

(4) लिखना सीखने की तुलना में पढ़ना सीखना जटिल है।

100. द्वितीय भाषा सीखने के संदर्भ में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) शिक्षक का रवैया

(2) अभिवृत्ति

(3) अभिभावक से प्राप्त प्रोत्साहन

(4) भाषा की परीक्षा

101. पद्य, गद्य और नाटक हमारी _____ संवेदना को धार प्रदान करने के साथ-साथ हमारे जीवन के _____ पहलू को समृद्ध करते हैं।

(1) सांस्कृतिक; भौतिक

(2) सांस्कृतिक; साहित्यिक

(3) भाषिक; सौंदर्यात्मक

(4) भाषिक; ज्ञानात्मक

102. कोई एक भाषा _____ लिपि/लिपियों में लिखी जा सकती है, हाँ, उसमें थोड़ा फेरबदल हो सकता है।

(1) एक

(2) सीमित

(3) तीन

(4) सभी

103. वाणी और लेखन में मूल अंतर यह है कि लिखित भाषा _____ स्तर पर देखी जाती है और _____ होती है।

(1) सचेतन; कालबद्ध

(2) अचेतन; कालबद्ध

(3) चेतन; स्वाभाविक

(4) अचेतन; स्वाभाविक

104. भाषा-कक्षा में समावेशी वातावरण का निर्माण करने के लिए जरूरी है कि

(1) बच्चों को विविध भाषाओं को पढ़ाया जाए

(2) बच्चों के प्रति अति उदारवादी दृष्टिकोण रखा जाए

(3) बच्चों की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण किया जाए

(4) बच्चों को विविध दृश्य-श्रव्य सामग्री उपलब्ध कराई जाए

105. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा-शिक्षण का सर्वाधिक संबंध है

(1) हिन्दी की ध्वनियों को सिखाने से

(2) सृजनात्मक लेखन की अनिवार्यता से

(3) पढ़ी सामग्री के बारे में आलोचनात्मक चिंतन से

(4) हिन्दी की व्याकरणिक व्यवस्था को जानने से

निर्देश : निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों (प्रश्न सं॰ **106–111**) के **सही/सबसे उपयुक्त** उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए।

न अवरोध कोई, न बाधा कहीं है
न संदेह कोई, न व्यवधान कोई
बहुत दूर से हैं दिशाएँ बुलातीं
नहीं पथ-डगर आज अनजान कोई
दिशाएँ निमंत्रण मुझे दे रही हैं, दिगंतर खुला सिर्फ मेरे लिए है।

नहीं कुछ यहाँ राह जो रोक पाए
न कोई यहाँ जो मुझे टोक पाए
अजानी हवा में उड़ा जा रहा हूँ
विजय गीत मेरा गगन गस्त गाए
हृदय में कहीं कह रहा बात कोई, धरा और गगन सिर्फ तेरे लिए है।

106. कवि को कोई कह रहा है कि

(1) अजानी हवा में उड़ो

(2) लक्ष्य अभी बहुत दूर है

(3) बाधाओं से दूर रहना चाहिए

(4) धरती और आसमान उसके लिए है

107. कविता में दो समानार्थी शब्द एक ही वाक्य में आए हैं। वह वाक्य कौन-सा है?

(1) अजानी हवा में उड़ा जा रहा हूँ

(2) न संदेह कोई, न व्यवधान कोई

(3) धरा और गगन सिर्फ तेरे लिए है

(4) न अवरोध कोई, न बाधा कहीं है

108. कवि को कौन निमंत्रण दे रहा है?

(1) दिगंतर

(2) गगन

(3) दिशाएँ

(4) हवा

109. अर्थ की दृष्टि से शेष से भिन्न शब्द छाँटिए।

(1) राह

(2) डगर

(3) धरा

(4) पथ

110. कवि का विजय गीत कौन गा रहा है?

(1) हवा

(2) दिशाएँ

(3) आकाश

(4) धरती

111. 'कोई' शब्द व्याकरण की दृष्टि से है

(1) क्रिया

(2) अव्यय

(3) सर्वनाम

(4) विशेषण

निर्देश : नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों (प्रश्न सं० **112-120**) के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।

कभी सोचा है भारत में कितने प्रकार के वाद्ययंत्र प्रचलित हैं? सोचने में शीघ्रता मत कीजिए। तमिलनाडु-केरल से कश्मीर तक, राजस्थान-गुजरात से नागालैंड-मणिपुर तक इस भारत नामक विशाल भूखंड में सैकड़ों प्रकार के वाद्ययंत्र परंपरा से प्रचलित रहे हैं। विशेषकर चमड़े से मढ़े वाद्ययंत्र तो सर्वाधिक हैं। बाँसुरी जैसे फूँककर बजाए जाने वाले, झाँझ जैसे झंकार वाले या फिर तार लगी तूँबी वाले भी कम नहीं। ये तार वाले भी कुछ गज से बजाए जाते हैं और कुछ छोटी-सी अँगूठे-जैसी मिज़राब से।

अब प्रश्न उठता है कि जिन्हें हम भारतीय वाद्ययंत्र कहते हैं क्या वे भारत में ही जन्मे है या कहीं और से आए हैं? कहना कठिन है। जब भी हम किसी वाद्ययंत्र को बजते देखते-सुनते हैं तो मन कहता है कि उसकी उत्पत्ति भारत में ही हुई होगी। लेकिन सत्य यह नहीं है। आज प्रचलित वाद्ययंत्रों में से अनेक बाहर से भी आए हैं। और यह भी सच है कि अनेक भारतीय वाद्ययंत्र यहाँ से अन्य देशों में प्रचलित हुए हैं। सभ्यता और संस्कृति का इतिहास जानने का एक माध्यम वाद्ययंत्र भी हैं। वेदों में उल्लिखित वाद्ययंत्रों के प्रमाण हड़प्पा सभ्यता में प्राप्त हुए है। वहीं सुदूर पूर्व इंडोनेशिया में प्राचीन भारतीय वाद्ययंत्र आज भी प्रयुक्त हो रहे हैं। हमारी वीणा मिस्री, सुमेरी, जापानी, चीनी संस्कृति मे भी विद्यमान रही है।

112. जिन्हें हम भारतीय वाद्ययंत्र कहते हैं

(1) वे भारत मे ही जन्मे हैं

(2) वे चीन और इंडोनेशिया के हैं

(3) वे कहीं और से आए हैं

(4) उनमें से कुछ भारत के और कुछ बाहर के हैं

113. कौन-सा भारतीय वाद्ययंत्र मिस्र, चीन, जापान, आदि की संस्कृति में भी विद्यमान है?

(1) बाँसुरी

(2) वीणा

(3) तबला

(4) झाँझ

114. कौन-सा कथन असत्य है?

(1) भारत में अनेक प्रकार के वाद्ययंत्र प्रचलित हैं।

(2) प्राचीन भारतीय वाद्ययंत्र इंडोनेशिया में भी प्रयुक्त होते हैं।

(3) तमिलनाडु और केरल के वाद्ययंत्र सबसे प्रसिद्ध हैं।

(4) कुछ वाद्ययंत्र 'गज' से बजाए जाते हैं।

115. गद्यांश के अनुसार, सभ्यता और संस्कृति का इतिहास जानने में सहायक हैं

(1) प्राचीन यंत्र

(2) कलाकार

(3) साहित्यिक ग्रंथ

(4) वाद्ययंत्र

116. 'भारतीय' शब्द व्याकरण की दृष्टि से है

(1) संज्ञा

(2) क्रिया

(3) सर्वनाम

(4) विशेषण

117. किस शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय दोनों हैं?

(1) प्रचलित

(2) विशाल

(3) भारतीय

(4) शीघ्रता

118. वेदों में चर्चित कुछ वाद्ययंत्रों के प्रमाण मिले हैं

(1) भारतीय सभ्यता में

(2) पुराणों में

(3) हड़प्पा सभ्यता में

(4) सुमेरी संस्कृति में

119. 'जन्य' शब्द का स्थानार्थी है

(1) प्रयुक्त

(2) विद्यमान

(3) उत्पत्ति

(4) उल्लेख

120. 'भूखंड' शब्द में समास है

(1) तत्पुरुष

(2) द्विगु

(3) कर्मधारय

(4) द्वंद्व

भाग—V

भाषा—II

हिन्दी

महत्त्वपूर्ण : परीक्षार्थी **भाग—V (प्र० सं० 121-150)** के प्रश्नों के उत्तर केवल तभी दें यदि उन्होंने **भाषा—II** का विकल्प **हिन्दी** चुना हो।

निर्देश : नीचे दिए गए प्रश्नों (प्रश्न सं० **121-135**) के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।

121. अपनी कक्षा में समावेशी माहौल का निर्माण करने के लिए आप किस बात को सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण मानते हैं?

(1) विभिन्न प्रकार के दृश्य-श्रव्य संसाधनों का आवश्यकतानुसार उचित प्रयोग

(2) सभी बच्चों से सभी भाषिक प्रकार्यों को समान रूप से संपादित करवाना

(3) विभिन्न प्रकार के दृश्य-श्रव्य संसाधनों का सदैव अनिवार्य प्रयोग

(4) स्वयं के बोलने की गति को बहुत धीमा रखना

122. आठवीं कक्षा के बच्चों के भाषा आकलन के लिए आप किसे सबसे **कम** महत्त्वपूर्ण मानते हैं?

(1) किसी विषय पर अपने विचार प्रकट करना

(2) लिखित परीक्षाओं का आयोजन करना

(3) किसी कहानी को नाटक में रूपांतरित करना

(4) साहित्यिक समारोहों का आयोजन करना

123. सतीश सातवीं कक्षा का विद्यार्थी है। वह निबंध लिखते समय कुंजी या गाइड से रटी हुई भाषा का प्रयोग करता है। इसके कारणों में सबसे कमज़ोर कारण हो सकता है

(1) उसकी मौखिक भाषा बेहद कमज़ोर है

(2) सृजनात्मक लेखन की शिक्षण पद्धति उचित नहीं है

(3) उसकी लिखित भाषा पर पकड़ नहीं है

(4) उसमें विचार करने का सामर्थ्य नहीं है

124. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण का एक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

(1) बच्चों में समझ के साथ पढ़ने और लिखने की क्षमता का विकास करना

(2) बच्चों को पाठों के अंत में दिए गए उदाहरणों का अभ्यास करवाना

(3) बच्चों में कहानियों को शब्दशः दोहराने की क्षमता का विकास करना

(4) बच्चों को व्याकरण के नियमों को कंठस्थ करवाना

125. भाषा सीखने में सबसे बड़ा बाधक तत्त्व हो सकता है

(1) पाठ्य-पुस्तक

(2) भाषा में आकलन

(3) भाषायी प्रयोग के अवसर

(4) इकाई परीक्षण

126. पोर्टफोलियो

(1) बच्चों के आकलन का सबसे सरल तरीका है

(2) बच्चों के अभिभावकों को पूर्ण जानकारी देता है

(3) बच्चों की क्रमिक प्रगति की जानकारी देता है

(4) बच्चों की हर प्रकार की प्रगति का पूर्ण लेखा-जोखा है

127. भाषा-शिक्षण पर हुए शोध बताते हैं कि द्वितीय/विदेशी भाषा में दक्षता सीखने वाले की _____ और _____ पर ही ज्यादा निर्भर करती है।

(1) अभिवृत्ति; परिवार

(2) अभिवृत्ति; अभिप्रेरणा

(3) संस्कृति; वर्ग

(4) अभिप्रेरणा; उपलब्धि

128. यदि भाषाओं को विज्ञान के दृष्टिकोण से देखें, तो भाषाओं के बीच मूलतः

(1) बहुत अंतर होता है

(2) गहरा संबंध होता है

(3) कोई अंतर नहीं होता

(4) थोड़ा अंतर होता है

129. एक तरफ भाषा हमारी _____ को व्यवस्थित करती है, तो दूसरी तरफ यह हमें _____ भी करती है और हमें ज्ञान और कल्पना की अनखोजी दुनिया में ले जाती है।

(1) विचार-प्रक्रिया; मुक्त

(2) जानकारी; मुक्त

(3) संस्कृति; नियंत्रित

(4) विचार-प्रक्रिया; सुसंस्कृत

130. 'अंतःवाक्' की संकल्पना का संबंध किससे है?

(1) चॉम्स्की

(2) स्किनर

(3) वाइगोत्स्की

(4) पियाजे

131. पियाजे के अनुसार, भाषा अन्य संज्ञानात्मक तंत्रों की भाँति परिवेश के साथ _____ के माध्यम से ही विकसित होती है।

(1) टकराव

(2) अलगाव

(3) अंतःक्रिया

(4) सामंजस्य

132. व्याकरण-शिक्षण की वह पद्धति अपेक्षाकृत अधिक उचित है, जिसमें

(1) बच्चे सूत्रों का प्रयोग करते हैं

(2) बच्चे नियमों से उदाहरणों की ओर जाते हैं

(3) बच्चे नियमों को कंठस्थ कर लेते हैं

(4) बच्चे उदाहरणों से नियमों की ओर जाते हैं

133. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में _____ की उपेक्षा बिलकुल नहीं की जा सकती।

(1) बच्चों के पाठ्य-पुस्तकीय ज्ञान

(2) बच्चों की सामाजिक श्रेणी

(3) शिक्षक के शास्त्रीय ज्ञान

(4) बच्चों की भाषिक पृष्ठभूमि

134. मीना अकसर लिखते समय शब्दों के अक्षरों को छोड़ देती है, जैसे—'पढ़ती' को 'पती', 'अभिनव' को 'अनव' लिखना। इसका सबसे अधिक कारण हो सकता है कि

(1) उसे मात्राओं का ज्ञान न हो

(2) उसके विचारों में स्पष्टता न हो

(3) उसे लिखना रुचिकर नहीं लगता हो

(4) उसके विचार और लिखने की गति में सामंजस्य न हो

135. रूपा बड़े समूह के सामने अपनी बात कहते समय अटकती है। एक शिक्षक के रूप में आप उसकी सहायता कैसे करेंगे?

(1) उसे हमेशा बड़े समूह के सामने बोलने के लिए कहेंगे

(2) उसमें बलपूर्वक आत्मविश्वास उत्पन्न करेंगे

(3) प्रारंभ में छोटे-छोटे समूहों में बात करने के भरपूर अवसर देंगे

(4) उसे बार-बार समझाएँगे कि बड़े समूह में किस तरह बोला जाता है

निर्देश : नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों (प्रश्न सं॰ **136–142**) के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए।

आपको किसी महत्त्वपूर्ण परीक्षा की तैयारी में क्या कठिनाई हो रही है? क्या ऐसा करने में समय की कमी महसूस हो रही है? अगर आपका जवाब 'हाँ' है, तो आपको समय प्रबंधन सीखने की ज़रूरत है। समय प्रबंधन किसी भी परीक्षा की तैयारी का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है। बहुत से परीक्षार्थी ऐसे हैं, जो परीक्षाओं की तैयारी देर से और बेतरतीब ढंग से शुरू करते हैं, जिससे उन्हें समयाभाव सबसे बड़े शत्रु की तरह दिखने लगता है। बिना समय प्रबंधन के उस अनुपात में फायदा नहीं हो पाता, जिस अनुपात में आप मेहनत करते हैं। वास्तव में समय की गति को या उसके स्वभाव को मैनेज नहीं किया जा सकता, क्योंकि न तो इसे धीमा किया जा सकता है और न ही रोका जा सकता है। आप स्वयं को मैनेज करते हुए सिर्फ इसका सही उपयोग कर सकते हैं। वास्तविकता यही है।

सबसे पहले आप यह निर्धारित करें कि आपका वर्तमान समय कैसे व्यतीत हो रहा है। आप पिछले एक सप्ताह के अपने कार्यकलाप को एक पेपर पर लिखकर देखिए कि आपने टाइमटेबल का कितना और कैसा अनुसरण किया है। पूरे सप्ताह में कितने घंटे सेल्फ-स्टडी की है और आपका निर्धारित सिलेबस का कितना हिस्सा नहीं हो पाया है। एक बार पूरा विश्लेषण करने के बाद आप स्वयं को समय के हिसाब से बदलना शुरू कर सकते हैं। समय बचाने के लिए किसी विशेषज्ञ की टिप्स काम आ सकती है परंतु सबसे अधिक प्रभाव आपके निश्चय, समर्पण और समय नियोजन का रहेगा। समय प्रबंधन आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और वह सफलता की दिशा में निर्णायक होगा।

136. समय प्रबंधन सीखने की ज़रूरत कब है?

(1) जब कोई परीक्षा देनी हो

(2) जब अवसर खो देने की संभावना हो

(3) जब अच्छा व्यवसाय चुनना हो

(4) जब कुछ करने के लिए समय कम पड़े

137. समय के बारे में सच है कि उसे

(1) धीमा किया जा सकता है

(2) रोका जा सकता है

(3) लौटाया जा सकता है

(4) मैनेज नहीं किया जा सकता है

138. समय का अभाव उन्हें शत्रु जैसा लगता है, जो

(1) परीक्षाओं की तैयारी गंभीरता से करते हैं

(2) परीक्षाओं को महत्त्वपूर्ण नहीं मानते

(3) परीक्षाओं की तैयारी बेतरतीब ढंग से करते हैं

(4) परीक्षाओं की तैयारी करना ही नहीं चाहते

139. 'सेल्फ-स्टडी' शब्द है

(1) तत्सम

(2) देशज

(3) तद्भव

(4) आगत

140. समय प्रबंधन से बढ़ सकता/सकती है

(1) विशेषज्ञता

(2) दृढ़ निश्चय

(3) आत्मविश्वास

(4) स्वाभिमान

141. 'महत्त्वपूर्ण' पद का समास-विग्रह होगा

(1) महत्त्व और पूर्ण

(2) महत्त्व से पूर्ण

(3) महत्त्व में पूर्ण

(4) महत्त्व के लिए पूर्ण

142. 'टाइम मैनेजमेंट' के लिए उपयुक्त शब्द है

(1) समय नियोजन

(2) समय निर्धारण

(3) समयाभाव

(4) समय प्रबंधन

निर्देश : नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों (प्रश्न सं० **143–150**) के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।

चेन्नई में आई बाढ़ अब उतार पर है। इस त्रासदी से निबटने में इस शहर ने जिस साहस का परिचय दिया, जिस तरह से सोशल मीडिया ने एक बार फिर बचाव के काम में अहम किरदार निभाया, बल्कि कुछ मामलों में तो जान बचाने में भी उसकी भूमिका रही, इसे देखते हुए उसकी जितनी तारीफ की जाए, वह कम है। इन तमाम अच्छी बातों के बावजूद इस वास्तविकता को भी नहीं झुठलाया जा सकता कि इस त्रासदी से बचा जा सकता था। चेन्नई में आई बाढ़ की असली वजह थी अडयार नदी-बेसिन का नए इलाई अड्डे के लिए अतिक्रमण। ठीक उसी तरह, जैसे दूसरे नदी किनारों का आवासीय निर्माण के लिए इस्तेमाल कर लिया गया है। नदी के कुदरती रास्तों को अवरुद्ध किए जाने से इसका जल आसपास के इलाकों में उमड़ गया। जब तक प्रकृति अपना क्रोध नहीं दिखाती, हमारे योजनाकार हर जोखिम को नज़रअंदाज करते रहते हैं और उस चीज की तलाश में रहते हैं, जिसे बेच सकते हैं। हमने इसी तरह का विध्वंसक सैलाब मुंबई में भी देखा। कुछ ही समय पहले श्रीनगर में भी ऐसी ही बरबादी देखी। हर जगह मुख्य वजह मिली—अनियोजित शहरीकरण और बुनियादी नियमों की अनदेखी। फिर भी हर बार त्रासदी की गंभीरता लोगों की यादों में धुँधली पड़ जाती है। चेन्नई की तरह दिल्ली में भी ऐसे सैलाब की संभावना है। इसलिए हमें यमुना नदी के बेसिन से छेड़छाड़ करने की 'बुद्धिमानी' से बचना होगा।

143. 'बाढ़ अब उतार पर है' का अर्थ है

(1) बाढ़ घट रही है

(2) बाढ़ नियंत्रित है

(3) बाढ़ उतर गई है

(4) बाढ़ फैल रही है

144. चेन्नई की बाढ़ का कारण था

(1) सरकार की लापरवाही बढ़ना

(2) इलाई अड्डे के लिए नदी मार्ग से छेड़छाड़

(3) आवासीय निर्माण करना

(4) मौसम विभाग की शिथिलता होना

145. किस शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय दोनों हैं?

(1) बचाव

(2) बुद्धिमानी

(3) आवासीय

(4) बरबादी

146. गद्यांश में 'बाढ़' के लिए एक समानार्थी का प्रयोग हुआ है, वह है

(1) अवरुद्ध

(2) त्रासदी

(3) जोखिम

(4) सैलाब

147. हमारे योजनाकार तब तक लापरवाह रहते हैं, जब तक

(1) समस्या हल न हो जाए

(2) सरकार दबाव न बनाए

(3) प्रकृति अपना क्रोध न दिखाए

(4) जनता जागरूक न हो जाए

148. मुंबई, श्रीनगर जैसे स्थानों में बाढ़ से हुई बरबादी के पीछे कारण था

(1) शहरों का विस्तार

(2) त्रासदी की गंभीरता

(3) प्रकृति का असहयोग

(4) अनियोजित शहरीकरण

149. 'गंभीरता' शब्द व्याकरण की दृष्टि से है

(1) संज्ञा

(2) क्रिया

(3) सर्वनाम

(4) विशेषण

150. "अपनी 'बुद्धिमानी' का परिचय देते हुए"—यहाँ 'बुद्धिमानी' से लेखक का तात्पर्य है

(1) मूर्खता

(2) अक्लमंदी

(3) समझदारी

(4) विद्वता